सत्यमेव जयते

भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश, शिमला

एनआईसी हिमाचल प्रदेश अधिकारियों द्वारा तकनीकी प्रस्तुतियां: 17-अगस्त-2024

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश के समस्त अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से अपनी इच्छानुसार प्रस्तुत किए जाने वाले 10 मिनट के तकनीकी विषयों की प्रस्तुति की श्रृंखला के रूप में, नवीनतम तकनीकी सत्र 17-अगस्त-2024 को आयोजित किया गया।

प्रस्तुतकर्ताओं का विवरण, उनके विषय और रेटिंग, इस प्रकार हैं:

क्र.	नाम	पद	विषय	रेटिंग (5.0)
1.	श्री संजय शर्मा	वैज्ञानिक-एफ	एप्लीकेशन साइबर सुरक्षा	4.6
2.	श्री शैलेन्द्र कौशल	वैज्ञानिक-एफ	साइबर अपराध घटना रिपोर्टिंग	4.7
3.	श्री अश्विनी कुमार	वैज्ञानिक-ई	डिजिटल परिवर्तन के लिए डिजिटल कौशल	3.9
4.	श्री ललित कपूर	वैज्ञानिक-एफ	समूह प्रस्तुति	4.6
5.	श्री दलजीत सिंह राणा	वैज्ञानिक-ई	तकनीकी समाचार	4.3

एप्लीकेशन साइबर सुरक्षा

श्री संजय शर्मा, वैज्ञानिक-'एफ' ने एप्लीकेशन साइबर सुरक्षा पर प्रस्तुति दी। एप्लीकेशन साइबर सुरक्षा सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन को उन खतरों और कमजोरियों से बचाने पर केंद्रित है जो अनधिकृत पहुंच, डेटा उल्लंघन या अन्य दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों का कारण बन सकती हैं। इसमें सॉफ्टवेयर विकास जीवनचक्र को सुरक्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई प्रथाओं और तकनीकों की एक श्रृंखला शामिल है, जिसमें डिज़ाइन और कोडिंग से लेकर परिनियोजन और रखरखाव शामिल है।

श्री संजय शर्मा एप्लीकेशन साइबर सुरक्षा पर तकनीकी व्याख्यान देते हुए

नियोजन और डिजाइन चरणों में, संभावित सुरक्षा खतरों की पहचान की जानी चाहिए और उनका समाधान किया जाना चाहिए। डेवलपर्स को SQL इंजेक्शन, क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग (XSS) और बफर ओवरफ्लो जैसी सामान्य कमजोरियों को रोकने के लिए सुरक्षित कोडिंग प्रथाओं का पालन करना चाहिए। यह OWASP टॉप टेन जैसे दिशानिर्देशों का पालन करके प्राप्त किया जा सकता है, जो वेब अनुप्रयोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा जोखिमों को रेखांकित करता है।

प्रमाणीकरण और प्राधिकरण यह सुनिश्चित करता है कि केवल वैध उपयोगकर्ताओं के पास ही एप्लिकेशन तक पहुंच हो और उनके पास उचित अनुमतियां हों। MFA को लागू करने से सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत जुड़ जाती है, क्योंकि उपयोगकर्ताओं को पहुंच प्राप्त करने से पहले सत्यापन के कई रूप प्रदान करने की आवश्यकता होती है। भूमिका आधारित पहुंच नियंत्रण यह सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ताओं के पास केवल उनकी भूमिका के लिए आवश्यक जानकारी और कार्यों तक पहुंच हो, जिससे अंदरूनी खतरों का जोखिम कम हो जाता है।

डेटा को आराम और पारगमन दोनों ही स्थितियों में एन्क्रिप्ट किया जाना चाहिए। इससे व्यक्तिगत डेटा और वित्तीय जानकारी जैसी संवेदनशील जानकारी को अनधिकृत पहुँच से बचाने में मदद मिलती है।

साइबर अपराध घटना रिपोर्टिंग

साइबर अपराध घटना रिपोर्टिंग विषय पर श्री शैलेन्द्र कौशल द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुति में 2019 से 2024 (पहले चार महीनों के लिए) तक रिपोर्ट किए गए साइबर अपराधों की संख्या के आंकड़े शामिल हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाते हैं, जो 2023 में 18,00,000 के शिखर पर पहुंच जाएंगे और फिर 2024 (पहले चार महीनों के लिए) में 26,049 तक गिर जाएंगे।

श्री शैलेन्द्र कौशल साइबर अपराध घटना रिपोर्टिंग पर प्रस्तुति देते हुए

प्रस्तुति में साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली विभिन्न युक्तियों और रणनीतियों की रूपरेखा दी गई, जैसे कि फर्जी वेब पोर्टल बनाना, फोन कॉल, एसएमएस, व्हाट्सएप और ईमेल के माध्यम से फ़िशिंग अभियान चलाना। इसके अलावा उन्होंने साइबर अपराधों की रिपोर्ट करने के तरीके के बारे में भी जानकारी प्रदान की। प्रस्तुति में साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल https://cybercrime.gov.in और ऐसी घटनाओं की रिपोर्ट करने के लिए टोल-फ्री नंबर (1930) पर भी प्रकाश डाला गया।

इसके अतिरिक्त, प्रस्तुति में संचार साथी पोर्टल https://sancharsaathi.gov.in का परिचय दिया गया, जो दूरसंचार विभाग की एक पहल है जिसका उद्देश्य मोबाइल ग्राहकों को सशक्त बनाना है। संचार साथी उपयोगकर्ताओं को उनके नाम पर जारी किए गए मोबाइल कनेक्शन की जांच करने, खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक करने और उनका पता लगाने, नए या पुराने फोन खरीदते समय डिवाइस की वास्तविकता को सत्यापित करने और संदिग्ध धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने की सुविधा देता है।

प्रस्तुतिकरण का समापन संदिग्ध फ़िशिंग ई-मेल की रिपोर्ट event@nic-cert.nic.in पर करने के निर्देशों के साथ किया गया तथा इसमें अनुवर्ती कॉलों का उल्लेख भी किया गया।

डिजिटल परिवर्तन के लिए डिजिटल कौशल

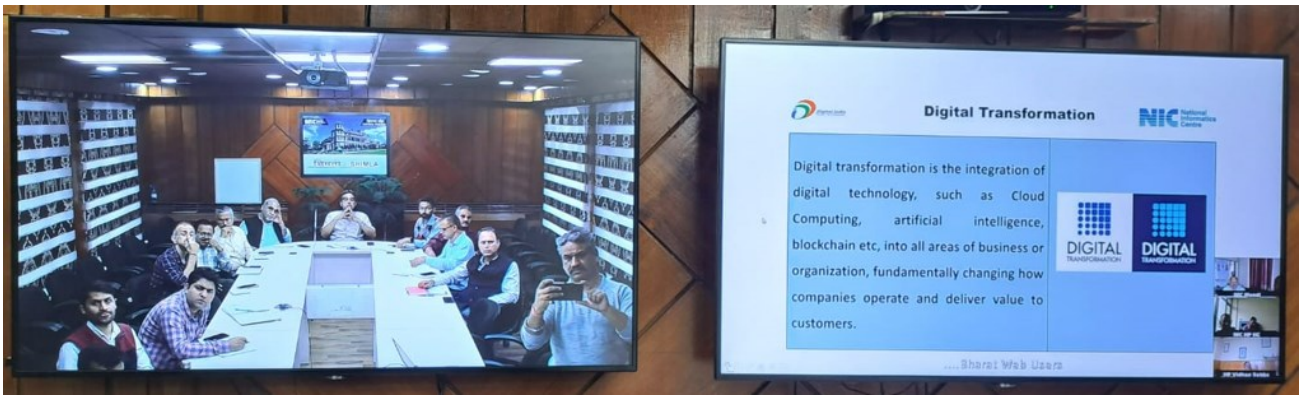

श्री अश्विनी कुमार सर्विस प्लस पर प्रस्तुति देते हुए

श्री अश्विनी कुमार द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुति में डिजिटल परिवर्तन के संदर्भ में डिजिटल कौशल की भूमिका पर चर्चा की गई। डिजिटल परिवर्तन को क्लाउड कंप्यूटिंग, एआई और ब्लॉकचेन सहित डिजिटल प्रौद्योगिकियों के व्यवसाय के सभी पहलुओं में एकीकरण के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिससे संचालन और ग्राहक मूल्य वितरण में मौलिक परिवर्तन होते हैं।

डिजिटल कौशल का महत्व इस अनुमान से स्पष्ट होता है कि 2025 तक 90% नौकरियों के लिए डिजिटल कौशल की आवश्यकता होगी, फिर भी 70% कर्मचारियों में वर्तमान में इन कौशलों का अभाव है। दस्तावेज़ डिजिटल परिवर्तन के लिए आवश्यक प्रमुख डिजिटल कौशल की पहचान करता है, जिसमें डेटा विश्लेषण और व्याख्या, क्लाउड कंप्यूटिंग और SaaS, साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता, एआई और मशीन लर्निंग, संचार और सहयोग उपकरण शामिल हैं।

डेटा विश्लेषण और व्याख्या में डेटा की सफाई, रूपांतरण, विज़ुअलाइज़ेशन, मॉडलिंग और परिकल्पना परीक्षण जैसे चरण शामिल होते हैं, जिससे अंतर्दृष्टि निर्माण और सिफारिशें होती हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग और SaaS क्रमशः इंटरनेट पर कंप्यूटिंग संसाधनों और सॉफ़्टवेयर अनुप्रयोगों तक ऑन-डिमांड पहुँच प्रदान करते हैं, जो स्केलेबिलिटी, लचीलापन और लागत बचत प्रदान करते हैं।

डिजिटल कौशल के लाभों में बेहतर उत्पादकता और दक्षता, बेहतर ग्राहक अनुभव, बढ़ी हुई नवीनता और प्रतिस्पर्धात्मकता, बेहतर डेटा-संचालित निर्णय लेने की क्षमता, तथा उच्च कर्मचारी सहभागिता और प्रतिधारण शामिल हैं।

समूह प्रस्तुति

श्री ललित कपूर समूह प्रस्तुति देते हुए

श्री ललित कपूर ने अपने समूह के सदस्यों द्वारा संचालित परियोजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए एक समूह प्रस्तुति दी। उन्होंने अपने समूह द्वारा संचालित चल रही परियोजनाओं और वर्तमान गतिविधियों तथा उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

तकनीकी समाचार

श्री दलजीत सिंह राणा तकनीकी समाचारों पर प्रस्तुति देते हुए

श्री दलजीत सिंह राणा ने तकनीकी समाचार प्रस्तुत किए। उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम में संशोधनों पर चर्चा की। साथ ही, उन्होंने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के कार्यान्वयन में देरी का उल्लेख किया। उन्होंने जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए ई-सक्ष्य ऐप का उपयोग करके डिजिटल साक्ष्य संग्रह पर प्रशिक्षण के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष में MeitY को बजट आवंटन में 52% की वृद्धि हुई है, जिसमें से लगभग 60% वृद्धि भारत के एआई और सेमीकंडक्टर मिशन की ओर निर्देशित है। अंत में, उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024 में भारत में डेटा ट्रैफ़िक में जिओ की हिस्सेदारी में लगभग 60% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मोबाइल ऐप पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश के अधिकारियों द्वारा दी गई तकनीकी प्रस्तुतियों पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित हिंदी बोध मोबाइल ऐप पर आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कुल 31 अधिकारियों ने भाग लिया। अधिकारियों द्वारा दी गई तकनीकी सामग्री पर आधारित 12 बहुविकल्पीय प्रश्न प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पूछे गए।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा:

स्थान	प्रतिभागी का नाम	पद	नियुक्ति का स्थान
1st	श्री दलजीत सिंह राणा	वैज्ञानिक-ई	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र
2nd	श्री ब्रिजेंदर कुमार डोगरा	वैज्ञानिक-ई	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, जिला केंद्र, कुल्लू
3rd	श्री संदीप कुमार	वैज्ञानिक-एफ	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश विधान सभा

तकनीकी सत्र में भाग लेते एनआईसी एचपी के समस्त अधिकारीगण

इस सत्र में यह निर्णय लिया गया है कि निम्नलिखित एनआईसी अधिकारी आगामी शुक्रवार, 06-सितम्बर-2024 को होने वाली बैठक के दौरान अपनी इच्छानुसार के विषय पर एक तकनीकी वार्ता प्रस्तुत करेंगे।

क्र.	प्रतिभागी का नाम	पद	नियुक्ति का स्थान
1.	श्री विजय कुमार	वैज्ञानिक-ई	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, जिला केंद्र, सिरमौर
2.	श्री दीपक कुमार	वैज्ञानिक-सी	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, जिला केंद्र, शिमला
3.	श्रीमति वंदना सांख्यान	वैज्ञानिक-सी	राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र

इसके अतिरिक्त, एनआईसी एचपी सीजीओ कॉम्प्लेक्स के श्री संजय कुमार, वैज्ञानिक-एफ परियोजनाओं पर आधारित प्रस्तुति देंगे तथा तकनीकी वार्ता सत्र श्री मंगल सिंह, वैज्ञानिक-डी द्वारा 5 मिनट दिया

जाएगा। प्रस्तुति के बाद, तकनीकी वार्ता और तकनीकी समाचार पर चर्चा के लिए 10 मिनट का समय आवंटित किया जाएगा।

17-08-2024 को तकनीकी वार्ता में निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित हुए:

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र		
क्र.	**नाम**	**पद**
1	श्री अजय सिंह चैहल	राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी, वैज्ञानिक-जी
2	श्री ललित कपूर	वैज्ञानिक-एफ
3	श्री संदीप सूद	वैज्ञानिक-एफ
4	श्री संजय कुमार	वैज्ञानिक-एफ
5	श्री संजय शर्मा	वैज्ञानिक-एफ
6	श्री विजय कुमार गुप्ता	वैज्ञानिक-एफ
7	श्री विमल कुमार शर्मा	वैज्ञानिक-एफ
8	श्री संदीप कुमार	वैज्ञानिक-एफ
9	श्री शैलेन्द्र कौशल	वैज्ञानिक-एफ
10	श्री दलजीत सिंह राणा	वैज्ञानिक-ई
11	श्री संजय ठाकुर	वैज्ञानिक-ई
12	श्री सर्वजीत कुमार	वैज्ञानिक-सी
13	श्रीमति वंदना सांख्यान	वैज्ञानिक-सी
14	श्री मुकेश कुमार	वैज्ञानिक-डी
15	श्री पृथ्वी राज	वैज्ञानिक-सी
16	श्री चुन्नी लाल	वैज्ञानिक-सी
17	श्री जीतेन्द्र शर्मा	वैज्ञानिक अधिकारी-एसबी
जिला केंद्र, हमीरपुर		
18	श्री विनोद कुमार गर्ग	वैज्ञानिक-एफ

19	श्री अनुराग गुप्ता	वैज्ञानिक-ई
जिला केंद्र, कांगड़ा		
20	श्री भुपिंदर पाठक	वैज्ञानिक-एफ
21	श्री अक्षय मेहता	वैज्ञानिक-ई
जिला केंद्र, किन्नौर		
22	श्री बलवान सिंह	वैज्ञानिक-डी
जिला केंद्र, कुल्लू		
23	श्री ब्रिजेंदर कुमार डोगरा	वैज्ञानिक-ई
जिला केंद्र, मंडी		
24	श्री अखिलेश भारती	वैज्ञानिक-ई
25	श्री अश्विनी कुमार	वैज्ञानिक-ई
जिला केंद्र, शिमला		
26	श्री पंकज गुप्ता	वैज्ञानिक-एफ
27	श्री दीपक कुमार	वैज्ञानिक-सी
जिला केंद्र, सिरमौर		
28	श्री विजय कुमार	वैज्ञानिक-ई
29	श्री मोहन राकेश अग्रवाल	वैज्ञानिक-डी
जिला केंद्र, सोलन		
30	श्री संजीव कुमार	वैज्ञानिक-सी
31	श्री स्वेतांश सतक	वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-बी
जिला केंद्र, ऊना		
32	श्री संजीव कुमार	वैज्ञानिक-ई